• जयपुर, शनिवार 15 अगस्त 26 • वर्ष 15 • अंक 287 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIN/2011/40950

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मज़बूती से बढ़ाये क़दम

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● **स्वामी विवेकानंद**

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित



श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार



श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

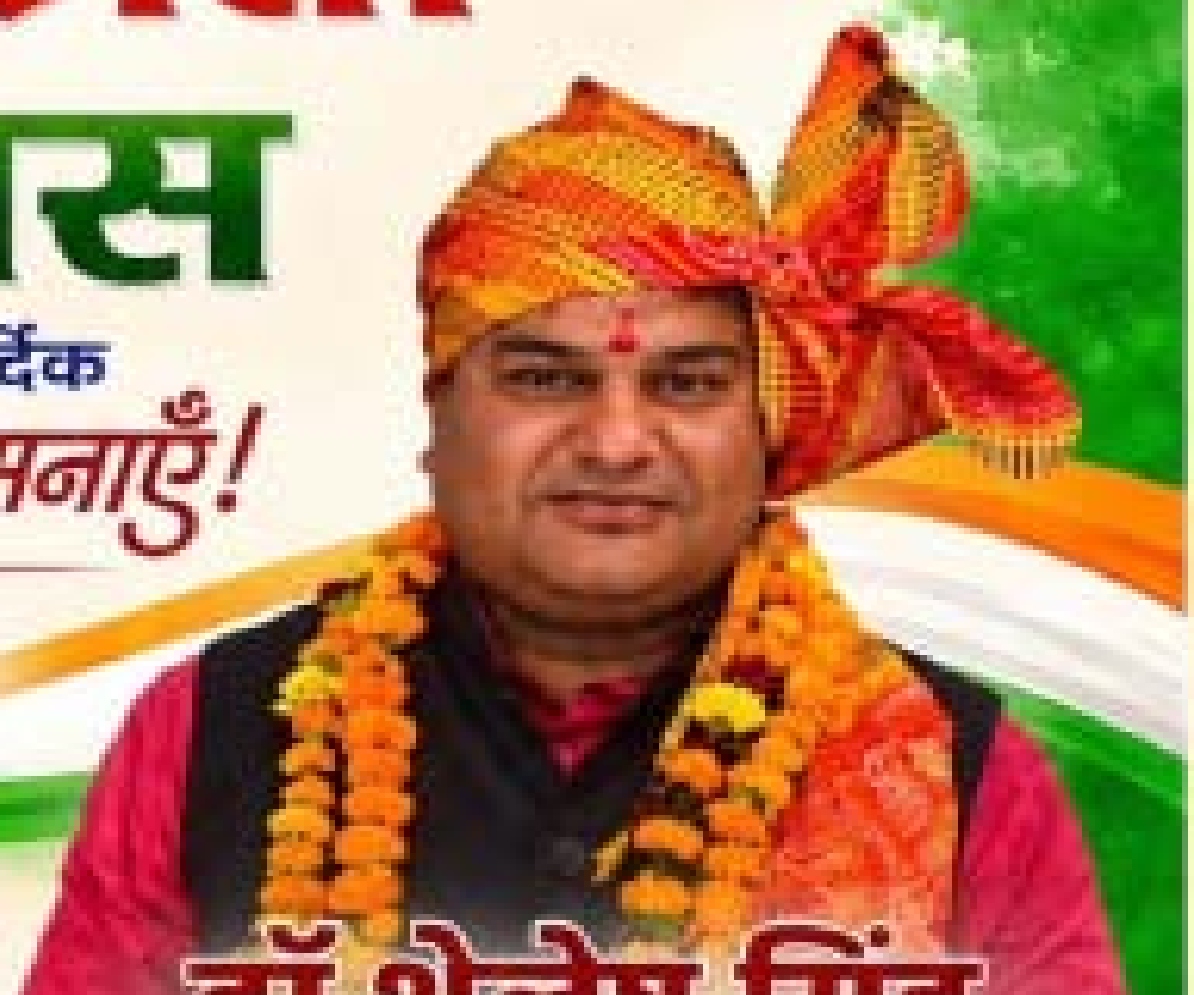
15 अगस्त

सारे जहाँ से अच्छा
हिंदुस्ताँ हमारा

80वां

स्वतंत्रता दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएँ!



नगर परिषद (डीग) की तरफ से

आमजन को जागरूक करने तथा
जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार
करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

डॉ शैलेष सिंह
(विधायक, डीग कुम्हेर)

स्वच्छता रखें स्वस्थ रहें

जल बचाएँ जीवन बचाएँ

पेड़ लगाएँ पर्यावरण बचाएँ

शिक्षा बढ़ाएँ समाज आगे बढ़ाएँ

नगर परिषद, डीग

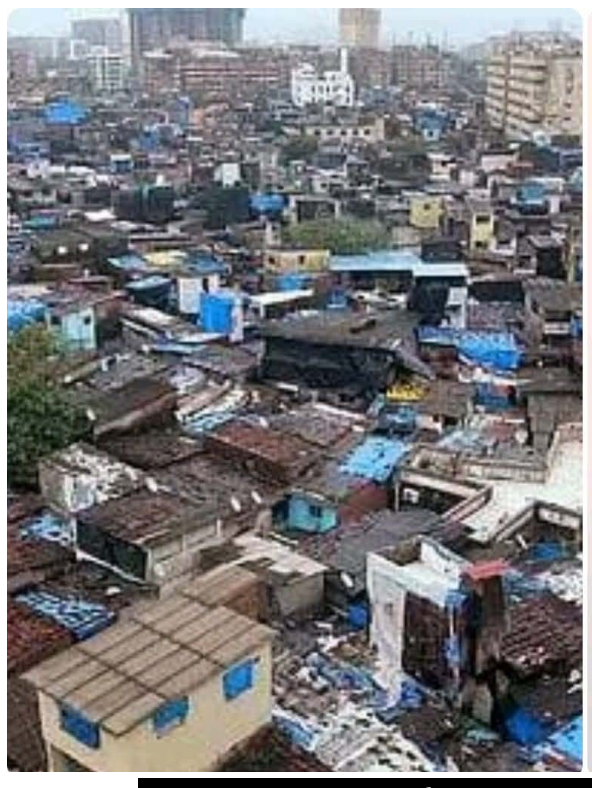
क्लस्टर का विरोध नहीं, लेकिन पांच गुना बढ़ने वाली आबादी को पानी, सड़क और सीवेज की व्यवस्था कैसे देंगे ?

राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार) के ठाणे शहर अध्यक्ष मनोज प्रधान का प्रशासन से सवाल

चमकता राजस्थान

अरविंद कोठारी/ठाणे। ठाणे शहर में क्लस्टर डेवलपमेंट का हमारा विरोध नहीं है। लेकिन यदि क्लस्टर के माध्यम से शहर की आबादी में बड़े पैमाने पर वृद्धि होने वाली है, तो बढ़ती आबादी को पानी, सड़क, सीवेज व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाएं कैसे उपलब्ध कराई जाएंगी, यह सवाल राष्ट्रवादी कांग्रेस-शरदचंद्र पवार पार्टी के ठाणे शहर अध्यक्ष मनोज प्रधान ने प्रशासन के सामने उठाया है।

क्लस्टर डेवलपमेंट और शहर के विभिन्न मुद्दों पर मीडिया से बातचीत करते हुए प्रधान ने प्रशासन की योजना पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि क्लस्टर के माध्यम से झोपड़पट्टियों, अनधिकृत या खतरनाक इमारतों में रहने वाले नागरिकों को उनका अधिकारिक और सुरक्षित घर मिलने वाला है, तो इसका विरोध करने का कोई कारण नहीं है। लेकिन इतने बड़े पैमाने पर निर्माण करते समय भविष्य की बुनियादी सुविधाओं की योजना बनाना भी जरूरी है।





● पानी की कमी का मुद्दा उठाया

ठाणे शहर में पानी की समस्या को लेकर भी प्रधान ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने दावा किया कि कुछ महीने पहले महानगरपालिका आयुक्त ने ठाणे में पानी की कमी होने की बात कही थी। ऐसे में भविष्य में बढ़ने वाली आबादी को ध्यान में रखते हुए पानी की आपूर्ति का ठोस नियोजन जरूरी है।

प्रधान ने दावा किया कि यदि कालू और शाई बांधों के माध्यम से ठाणे को पानी उपलब्ध कराया गया होता, तो आज पानी की कमी की स्थिति कुछ हद तक टाली जा सकती थी। उन्होंने सभी दलों के विधायकों से एकजुट होकर ठाणे के पानी के सवाल का समाधान निकालने और आवशयक पानी शहर की ओर मोड़ने के लिए प्रयास करने की मांग की।

● बड़े प्रोजेक्ट्स में नागरिकों की भागीदारी जरूरी

ठाणे शहर में बड़े पैमाने पर परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। ऐसे में नागरिकों की भागीदारी और उनकी राय जानना जरूरी है, ऐसा प्रधान ने कहा। क्लस्टर हो या अन्य बड़े बुनियादी ढांचा प्रोजेक्ट, स्थानीय नागरिकों की समस्याओं और भविष्य की सुविधाओं को ध्यान में रखकर ही परियोजनाओं को लागू किया जाना चाहिए, ऐसी भूमिका उन्होंने रखी।

● स्मार्ट मीटर के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी

स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर भी मनोज प्रधान ने महावितरण की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। यदि नागरिक स्मार्ट मीटर नहीं चाहते हैं, तो उन पर इसे लगाने के लिए दबाव क्यों बनाया जा रहा है, ऐसा सवाल उन्होंने किया। बिजली बिलों को लेकर नागरिकों में नाराजगी होने का दावा करते हुए प्रधान ने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ने पर नागरिकों को साथ लेकर सड़क पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा।

● खान-पान के मुद्दे पर रियल एस्टेट एजेंट की आलोचना

मांसाहार करने वाले लोगों को घर नहीं देने संबंधी एक रियल एस्टेट एजेंट के कथित वायरल वीडियो पर भी प्रधान ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में सर्वधर्म समभाव और खान-पान की स्वतंत्रता की परंपरा रही है। नागरिकों के खान-पान की पसंद के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।

इस मामले में संबंधित रियल एस्टेट एजेंट के खिलाफ आंदोलन करने की चेतावनी प्रधान ने दी। हालांकि, किसी भी व्यक्ति के खिलाफ हिंसक या गैरकानूनी कार्रवाई के बजाय कानूनी और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध किया जाना चाहिए।

ठाणे शहर की बढ़ती आबादी, पानी की आपूर्ति, सीवेज व्यवस्था, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं का संतुलित नियोजन करने के बाद ही क्लस्टर पुनर्विकास को आगे बढ़ाया जाना चाहिए, ऐसी मांग मनोज प्रधान ने की।

आठ एफएसआई से आबादी में होगी बड़ी वृद्धि?

क्लस्टर डेवलपमेंट के लिए लगभग आठ एफएसआई दिए जाने का उल्लेख करते हुए प्रधान ने कहा कि करीब 1,500 हेक्टेयर यानी 3,000 एकड़ से अधिक क्षेत्र में क्लस्टर डेवलपमेंट होने की बात कही जा रही है। ऐसी स्थिति में शहर की आबादी में बड़े पैमाने पर वृद्धि होने की संभावना है।

उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, ''आज ही ठाणे शहर के नागरिकों को पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है। सीवेज व्यवस्था और सड़कों को लेकर भी कई समस्याएं हैं। ऐसे में भविष्य में यदि बड़ी संख्या में लोग इस शहर में रहने आएंगे, तो उन्हें बुनियादी सुविधाएं कैसे उपलब्ध कराई जाएंगी?''

संक्षिप्त समाचार

नकली सोने की ईंट बेचकर साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश, 5 गिरफ्तार

● कब्जे से 53 लाख 39 हजार रुपए बरामद किए है।



चमकता राजस्थान/राकिब खांन/डीग। जिले की जुरहरा थाना पुलिस ने नकली सोने की ईंट बेचकर साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे से 53 लाख 39 हजार 500 रुपये की ठगी की रकम, नकली सोने की ईंट, छेनी, 5 एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 10 फर्जी अळट कार्ड और हैरियर गाड़ी बरामद की गई है, आरोपी सस्ते दामों में असली सोने की ईंट देने का झांसा देकर लोगों को अपना शिकार बनाते थे, पुलिस के मुताबिक गिरोह राजस्थान के अलावा हरियाणा, गुजरात और महाराष्ट्र के लोगों को भी निशाना बनाता था, आरोपी सेक्सटॉर्शन और सोशल मीडिया पर पुरानी मुद्रा की खरीद-बिक्री के नाम पर भी साइबर ठगी करते थे, कार्रवाई ऊळ टीम प्रभारी सुल्तान सिंह और जुरहरा थाना अधिकारी विजय मीणा के नेतृत्व में की गई, पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और ठगी की अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ कर रही है।

पन्नाधाय गुजरी के नाम के साथ छेड़छाड़ का किया विरोध, दिया ज्ञापन



चमकता राजस्थान/दौसा।(दीपक शर्मा बामनवास)। मां शक्ति नारी पन्नाधाय गुजरी के नाम के साथ छेड़छाड़ के कारण आज दौसा जिला कलेक्टर महोदय को अखिल भारतीय गुर्जर महासभा इकाई दौसा के जिलाध्यक्ष माधो सिंह कसाना व युवा अध्यक्ष सतवीर छावडी के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया। युवा अध्यक्ष सतवीर छावडी ने बताया कि मां पन्नाधाय के बलिदान को पूरा राजस्थान सलाम करता है उन्होंने अपने बेटे का बलिदान दिया था ऐसी नारी जो गुर्जर समाज में जन्म लिया था उसके इतिहास के साथ किसी ने जो छेड़छाड़ की है जो उनकी जाति को दबाकर खींची के नाम से किसी पुस्तकालय में लिखा गया है इसकी घोर निंदा करते हुए उन्होंने समस्त गुर्जर समाज में आक्रोश है इस आक्रोश के खातिर उन्होंने ज्ञापन दिया और साथ ही बताया ओबीसी ओबीसी जनसंख्या के जो आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं उसमें गुर्जर समाज को संख्या बल काम बताया गया है सरकार ने जो आंकड़े पेश किए हैं इसके आधार से गुर्जर संख्या बल बहुत ज्यादा है तो इस पर भी गुर्जर समाज में आक्रोश है सरकार से निवेदन है कि पुणे इसकी जांच करके जांच करके एमबीसी समाज के साथ जोड़कर आंकड़े प्रस्तुत किया जाए और बताया कि इस पर घोर निंदा करने में जिला अध्यक्ष माधव सिंह जी कसाना ने और महिला प्रदेश उपाध्यक्ष बिना गुर्जर ने और प्रदेश उपाध्यक्ष रामविलास मरियाडा और प्रदेश प्रभारी सुमेर सिंह जी शयालावास प्रदेश प्रभारी शंभू दयाल जी कसाना प्रदेश संरक्षक रामफुल जी भेड़ी ने भी अपने विचार प्रकट करते हुए घोर निंदा किया साथ में जिला के सभी पदाधिकारी विजय सिंह सिंह कसाना बानेकाबरखेड़ा तहसील अध्यक्ष बसवा ओमप्रकाश लंगडी सुमेर सिंह जी गुर्जर सिकराय तहसील अध्यक्ष सुमेर जी गुरुजी पाचोली नरसी जी डोई प्रवक्ता बच्चू सिंह तुगड सुमेर सिंह दिवाकर बाबूलाल जी खेडला एडवोकेट इंदर सिंह चांवदेड़ा बालमुकुंद जी मीणा सरदार जी भोजपुरा मुख्य सलाहकार और समस्त गुर्जर समाज की सरदारी मौजूद रही

बृजनगर में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के नेतृत्व में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक, शहीदों के बलिदान से मिली आजादी के गौरव को हर घर तक पहुंचाना हमारा संकल्पः गृह राज्य मंत्री

चमकता राजस्थान

डीग। 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' के अंतर्गत शुक्रवार को बृजनगर कस्बे में राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति से ओतप्रोत एक विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के नेतृत्व में आयोजित इस तिरंगा यात्रा में स्कूली छात्र-छात्राएं, युवा, मातृशक्ति, प्रबुद्ध नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामे शामिल हुए।

यह भव्य तिरंगा यात्रा बृजनगर के मुख्य मार्गों, बाजारों और चौराहों से होकर गुजरी। यात्रा मार्ग में जगह-जगह स्थानीय नागरिकों एवं व्यापारिक संगठनों द्वारा पुष्पवर्षा कर तिरंगा यात्रियों का आत्मीय स्वागत किया गया। हाथों में लहराते तिरंगों के साथ कदमताल करते युवाओं और छात्राओं के अनुशासन ने सभी का मन मोह लिया। यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र तिरंगामय नजर आया, जिससे जन-जन में स्वतंत्रता दिवस को लेकर अपार उत्साह और राष्ट्रीय स्वाभिमान की भावना का संचार हुआ।



तिरंगा यात्रा के समापन अवसर पर विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि 9 अगस्त 1942 को जब अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन का शंखनाद हुआ, तो पूरे देश में आजादी की एक अभूतपूर्व क्रांति की लहर दौड़ गई थी। देश के वीर शहीदों की महान कुर्बानियों, स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और आमजन के राष्ट्रव्यापी आंदोलन के परिणाम स्वरूप ही 15 अगस्त 1947 को हमारा देश स्वतंत्र हुआ। उन्होंने रेखांकित किया कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा भारत की अखंडता, संप्रभुता और आन-बान-शान का सर्वोच्च प्रतीक है, जिसके मान-सम्मान की रक्षा के लिए लाखों वीरों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया है।

गृह राज्य मंत्री ने आह्वान किया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित 'हर घर तिरंगा अभियान' का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के हृदय में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रभाव को और अधिक प्रगाढ़ करना है। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों से 15 अगस्त के पावन पर्व पर अपने-अपने घरों, दुकानों और संस्थानों पर गरिमा के साथ तिरंगा फहराने तथा देश के विकास और नवनिर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं भारी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

कामां में विधायक नौक्षम चौधरी के नेतृत्व में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, हजारों लोगों ने लिया हिस्सा



चमकता राजस्थान/कामां। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देते हुए कामां में विधायक नौक्षम चौधरी के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता, आमजन एवं विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। पूरे कस्बे में तिरंगे के साथ देशभक्ति का माहौल नजर आया।

तिरंगा यात्रा का शुभारंभ आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय से हुआ। हाथों में तिरंगा लेकर हजारों लोग यात्रा में शामिल हुए और विधायक नौक्षम चौधरी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते नजर आए। करीब एक किलोमीटर लंबी इस यात्रा में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की विशेष भागीदारी रही। बच्चों में भी तिरंगा यात्रा को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया।

यात्रा आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय से प्रारंभ होकर अंबेडकर भवन होते हुए कस्बे के प्रमुख मार्गों से गुजरी। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर तिरंगा यात्रा का भव्य स्वागत किया। यात्रा के दौरान भारत माता की जय और देशभक्ति के नारों से पूरा कस्बा गूंज उठा।

विधायक नौक्षम चौधरी ने इस अवसर पर लोगों से राष्ट्र की एकता, अखंडता और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का आ''ान किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश के गौरव, सम्मान और एकता का प्रतीक है तथा प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रहित में अपना योगदान देना चाहिए।

तिरंगा यात्रा का समापन गांधी पार्क में हुआ। यहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर विधायक नौक्षम चौधरी सहित उपस्थित लोगों ने माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, विद्यार्थी और आमजन मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर तिरंगामयी रोशनी से जगमगाया डीगः तिरंगा कैनवास पर जिला कलक्टर मयंक मनीष ने हस्ताक्षर कर दिया राष्ट्रीय गौरव का संदेश

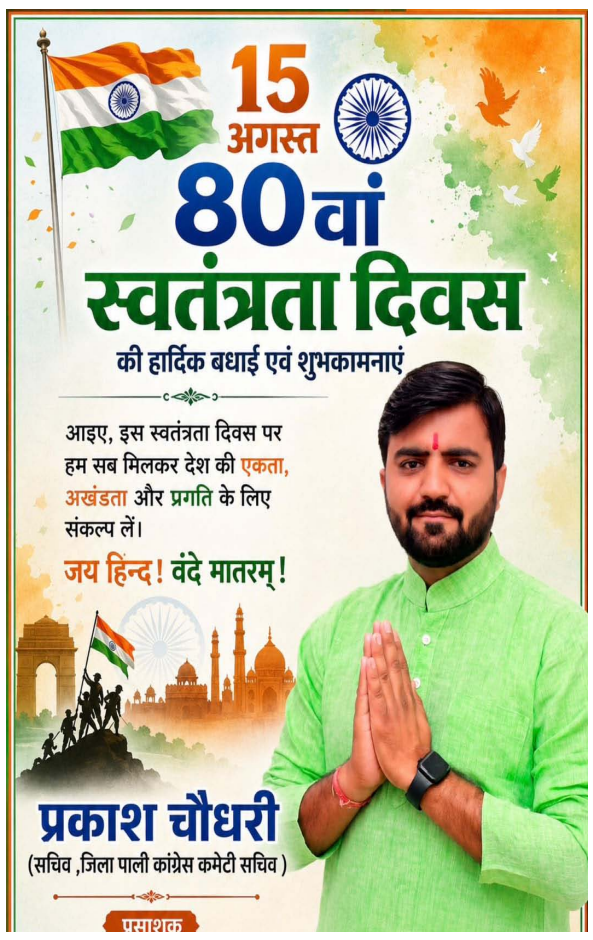
कलेक्ट्रेट, एसपी कार्यालय, डीजे कोर्ट, शहीद स्मारक, अग्रसेन व आंबेडकर सर्किल सहित प्रमुख प्रशासनिक व सार्वजनिक स्थल तिरंगे रंग में सराबोर; जिला कलक्टर ने जिलेवासियों से की गरिमा के साथ राष्ट्रीय पर्व मनाने की अपील

चमकता राजस्थान

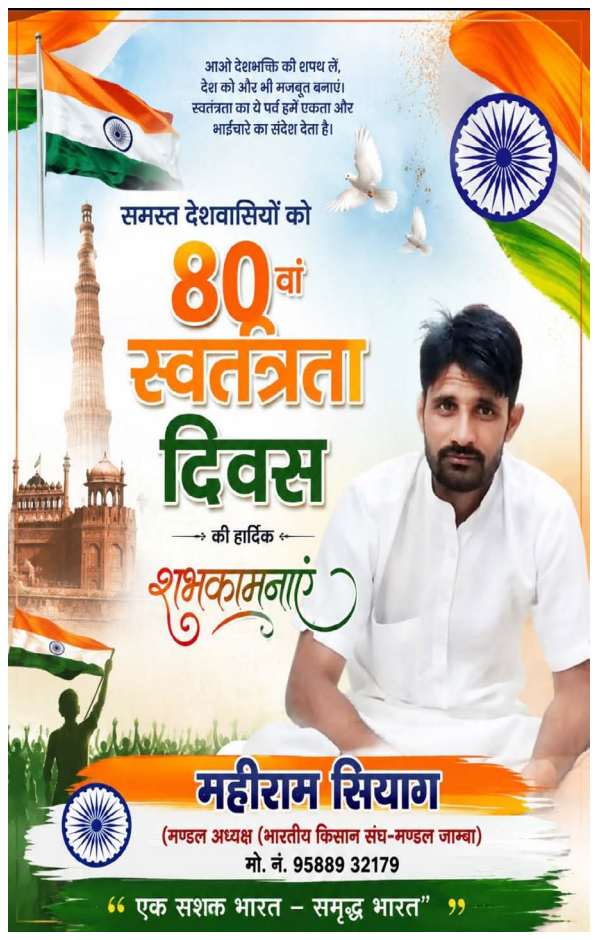
डीग। स्वतंत्रता दिवस 2026 के पावन पर्व की पूर्व संध्या पर डीग जिला मुख्यालय राष्ट्रभक्ति के उल्लास और तिरंगे के रंगों से पूरी तरह सराबोर नजर आ रहा है। हर घर तिरंगा अभियान एवं स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित राष्ट्रभक्ति कार्यक्रमों की श्रृंखला में जिला कलक्टर मयंक मनीष ने स्वयं तिरंगा कैनवास पर अपने हस्ताक्षर अंकित कर जिलेवासियों को राष्ट्रीय स्वाभिमान, एकता और देशप्रेम का सशक्त संदेश दिया। इस दौरान जिला कलक्टर ने हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से आम नागरिकों, युवाओं और प्रशासनिक कार्मिकों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट करने और हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

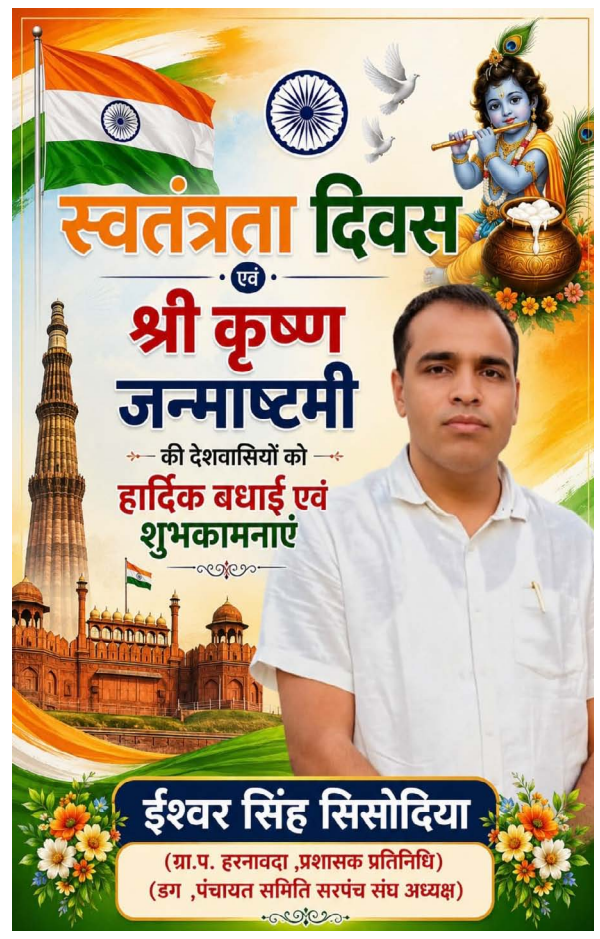
स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर को भव्य बनाने के उद्देशय से जिला प्रशासन द्वारा पूरे शहर में विशेष विद्युत साज-सज्जा और तिरंगा थीम पर आधारित आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत जिला कलेक्ट्रेट परिसर, जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जिला एवं सेशन न्यायालय, नगर परिषद कार्यालय, शहीद स्मारक, अग्रसेन सर्किल तथा आंबेडकर सर्किल सहित शहर के प्रमुख प्रशासनिक भवनों, ऐतिहासिक स्मारकों और मुख्य चौराहों को तिरंगे रंग की मनमोहक एलईडी रोशनी और सजावट से भव्य रूप से सजाया गया है। शाम ढलते ही रोशनी से जगमगाते ये प्रमुख स्थल नागरिकों के विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं और संपूर्ण शहर में राष्ट्रभक्ति का अनुपम वातावरण दिखाई दे रहा है। जिला कलक्टर मयंक मनीष ने जिले के समस्त नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए फ्लैग कोड का पूर्ण सम्मान करते हुए अपने-अपने घरों, प्रतिष्ठानों और संस्थानों पर गौरव के साथ तिरंगा फहराने का आ''ान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पर्व हमारे अमर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के अप्रतिम त्याग और बलिदान को नमन करने तथा देश के विकास व नवनिर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी का संकल्प लेने का पुनीत अवसर है। उन्होंने आमजन से स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लेने तथा हर घर तिरंगा पोर्टल पर तिरंगे के साथ सेल्फी अपलोड कर इस राष्ट्रीय अभियान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की अपील की।

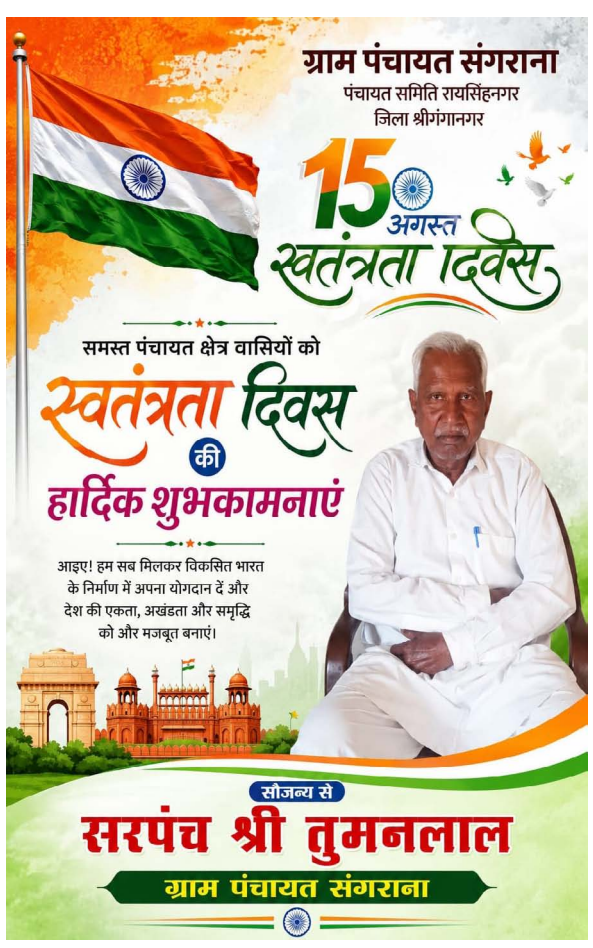



15 अगस्त
80वां
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम सब मिलकर देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए संकल्प लें।
जय हिन्द! वंदे मातरम्!
प्रकाश चौधरी
(सचिव ,जिला पाली कांग्रेस कमेटी सचिव)

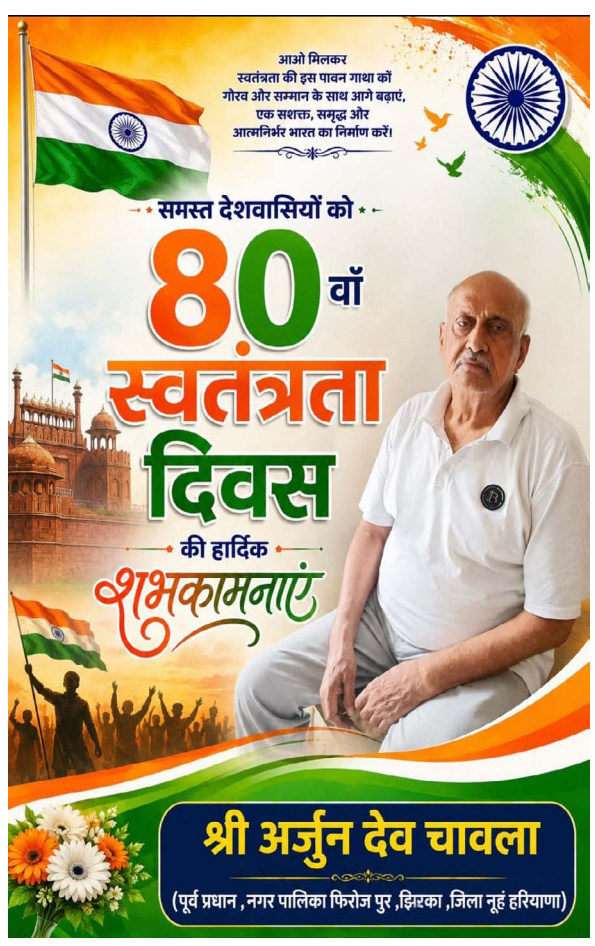

आओ मिलकर करें ये वादा, देश की शान बनाए रखेंगे
हर दिल में हो देशभक्ति, भारत माँ की जय कहेंगे।।
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएँ
स्वतंत्रता दिवस हमें अपने महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है। आइए, उनके सपनों का भारत बनाने का संकल्प लें।
15 अगस्त
जय हिंद! जय भारत!
मीठालाल बंजारा
पाली जिला कांग्रेस कार्यकारणी जिला सचिव


आओ देशभक्ति की शपथ लें,
देश को और भी मजबूत बनाएं।
स्वतंत्रता का ये पर्व हमें एकता और भाईचारे का संदेश देता है।
समस्त देशवासियों को
80वां
स्वतंत्रता
दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
महीराम सियाग
(मण्डल अध्यक्ष (भारतीय किसान संघ-मण्डल जाम्बा)
मो. नं. 95889 32179
“एक सशक्त भारत – समृद्ध भारत”


स्वतंत्रता दिवस
एवं
श्री कृष्ण
जन्माष्टमी
की देशवासियों को
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
ईश्वर सिंह सिसोदिया
(ग्रा.प. हरनावदा ,प्रशासक प्रतिनिधि)
(डग ,पंचायत समिति सरपंच संघ अध्यक्ष)

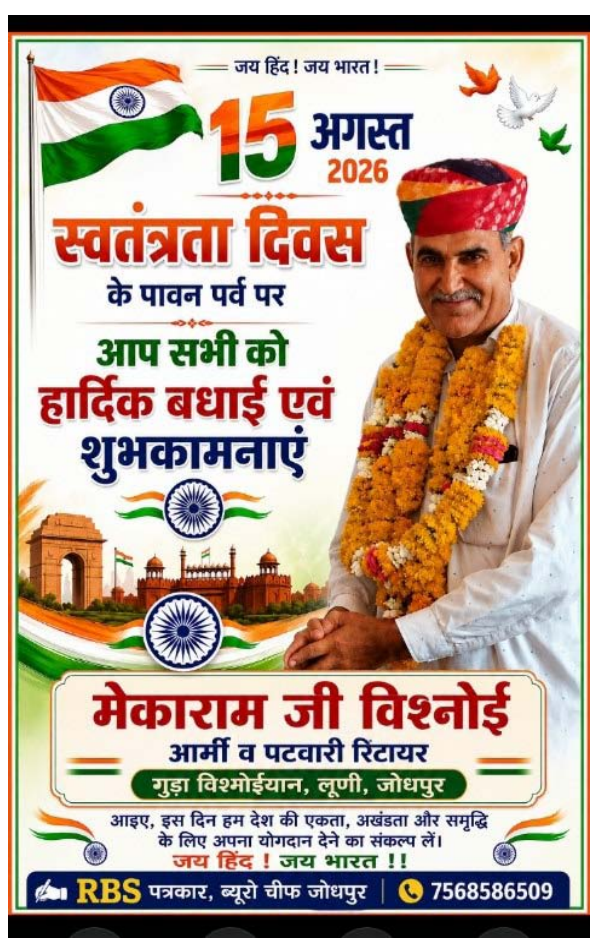

ग्राम पंचायत संगराना
पंचायत समिति रायसिंहनगर
जिला श्रीगंगानगर
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
समस्त पंचायत क्षेत्र वासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
आइए! हम सब मिलकर विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दें और देश की एकता, अखंडता और समृद्धि को और मजबूत बनाएं।
सौजन्य से
सरपंच श्री तुमनलाल
ग्राम पंचायत संगराना


स्वतंत्रता, समर्पण और संस्कार – यही है हमारे भारत की पहचान
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
साथ ही पवित्र पर्व
रक्षाबंधन
की हार्दिक
शुभकामनाएं
आइए, हम सभी मिलकर देश की एकता, अखंडता और समाज की प्रगति के लिए निरंतर कार्य करते रहें।
सुनील कुमार विश्नोई
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, बालोतरा

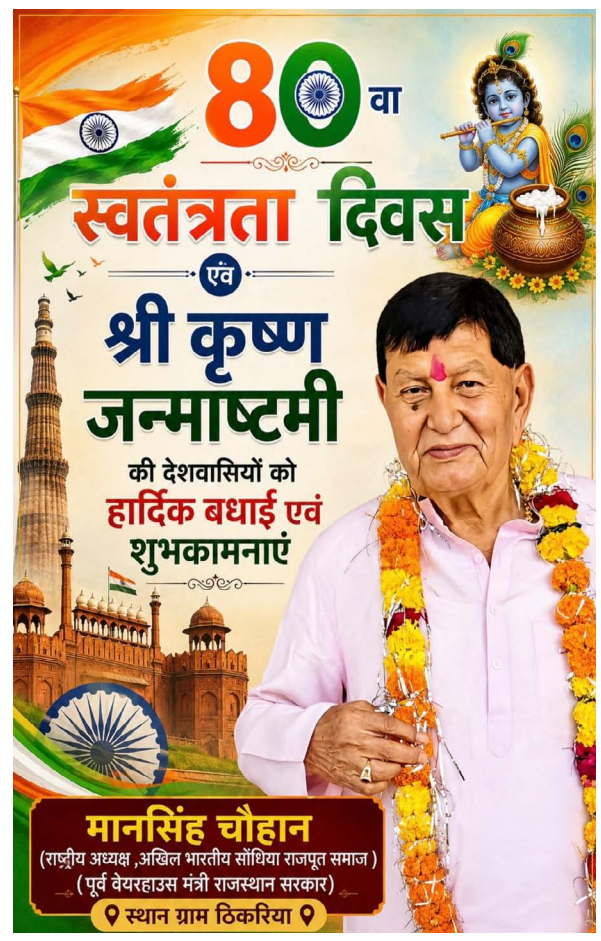

आओ मिलकर
स्वतंत्रता की इस पावन गाथा को
गौरव और सम्मान के साथ आगे बढ़ाएं,
एक सशक्त, समृद्ध और
आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करें।
समस्त देशवासियों को
80वाँ
स्वतंत्रता
दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
श्री अर्जुन देव चावला
(पूर्व प्रधान , नगर पालिका फिरोज पुर ,झिरका ,जिला नूंह हरियाणा)


देश की शान, तिरंगा हमारी पहचान
आओ मिलकर करें प्रण
देश को और भी बनाएं महान
स्वतंत्रता दिवस
एवं
श्री कृष्ण जन्म अष्टमी की
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
15 अगस्त
जय हिन्द
राहुल सिंह परिहार
(ग्राम पंचायत सिंहपुर ,प्रशासक प्रतिनिधि)

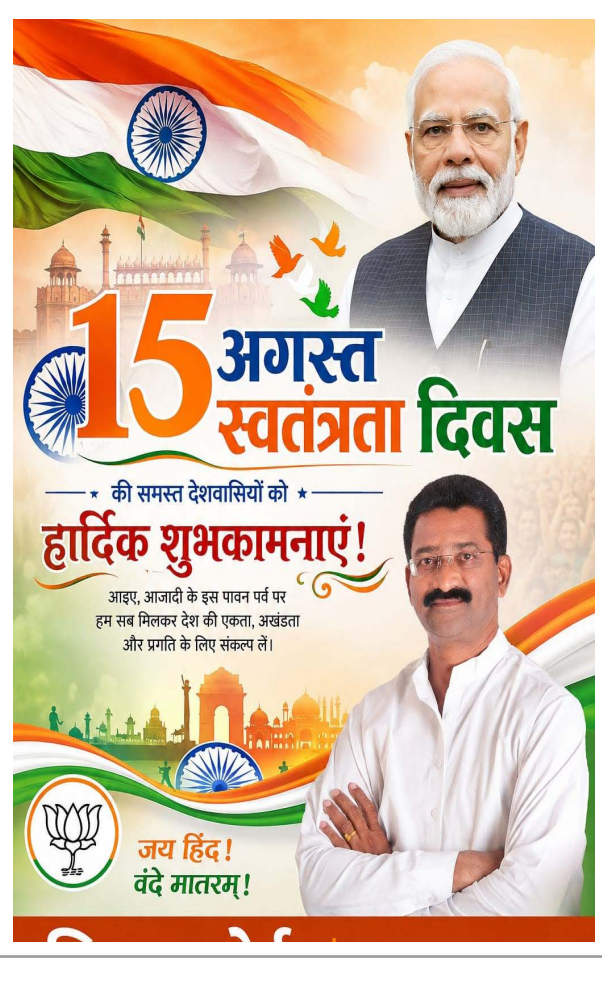

स्वतंत्रता की 80वीं
वर्षगांठ पर समस्त देशवासियों को
15TH अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं!
आओ मिलकर करें ये संकल्प
देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करेंगे।
संविधान और लोकतंत्र के मूल्यों को मजबूत करेंगे।
देश को स्वच्छ, शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाएंगे।
हर नागरिक का सम्मान करेंगे, सबका साथ, सबका विकास करेंगे।
स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को नमन
आइए, उनके सपनों का भारत बनाने में अपना योगदान दें।
जय हिंद! जय भारत!
विकास बोहरा
जिला उपाध्यक्ष SC प्रकोष्ठ कांग्रेस (भेड़ोली)

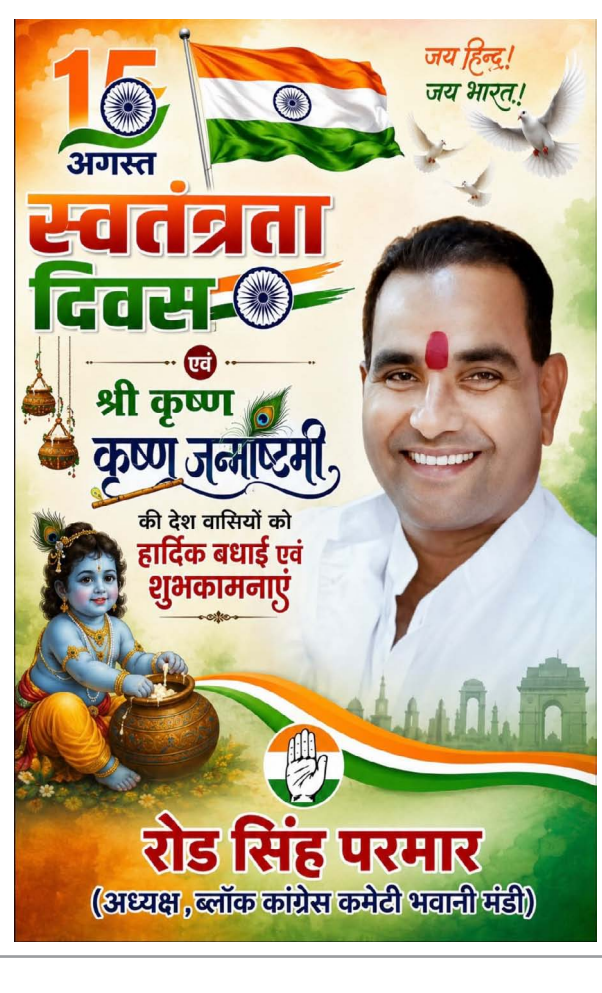

जय हिंद! जय भारत!
15 अगस्त
2026
स्वतंत्रता दिवस
के पावन पर्व पर
आप सभी को
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
मेकाराम जी विश्नोई
आर्मी व पटवारी रिटायर
गुड़ा विश्नोईयान, लूणी, जोधपुर
आइए, इस दिन हम देश की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए अपना योगदान देने का संकल्प लें।
जय हिंद ! जय भारत !!
RBS पत्रकार, ब्यूरो चीफ जोधपुर | 7568586509


15 अगस्त
आप सभी को
स्वतंत्रता
दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
आजादी की यह सौगात
हम सबको मिले मिलकर साथ
देश की तरक्की हो हर दिन, हर रात
आओ मिलकर
देश को बनाएं
सशक्त, समृद्ध
और आत्मनिर्भर
शुभेच्छुक
देवाराम सियाग फुलाणी (जाम्बा)
जाम्भोलाव ग्रीन प्रा. लिमिटेड
मोबाइल नंबर:-9828831932


80 वा
स्वतंत्रता दिवस
एवं
श्री कृष्ण
जन्माष्टमी
की देशवासियों को
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
मानसिंह चौहान
(राष्ट्रीय अध्यक्ष ,अखिल भारतीय सोंधिया राजपूत समाज)
(पूर्व वेयरहाउस मंत्री राजस्थान सरकार)
स्थान ग्राम ठिकरिया


आओ मिलकर शपथ लें,
देश को और भी
महान बनाएं।
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
स्वतंत्रता दिवस पर
की हार्दिक शुभकामनाएं
रायसिंहनगर
क्षेत्र वासियों को
जय हिंद वंदे मातरम
हार्दिक शुभकामनाएं
Ritesh
Medical Agency
Raisinhangar
प्रो. रितेश +91 63765 32932
की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं


15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की समस्त देशवासियों को
हार्दिक शुभकामनाएं!
आइए, आजादी के इस पावन पर्व पर
हम सब मिलकर देश की एकता, अखंडता
और प्रगति के लिए संकल्प लें।
जय हिंद!
वंदे मातरम्!


15 अगस्त
जय हिन्द!
जय भारत!
स्वतंत्रता
दिवस
एवं
श्री कृष्ण
कृष्ण जन्माष्टमी
की देश वासियों को
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
रोड सिंह परमार
(अध्यक्ष , ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भवानी मंडी)


15 अगस्त
80 वा
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
श्री कृष्णा
जन्माष्टमी
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
भवानी
ट्रांसपोर्ट कंपनी
15 अगस्त 1954 से निरंतर संचालित
होटल
भवानी रिसोर्ट
शुद्ध शाकाहारी भोजनालय
* भवानी है तो भरोसा है
नई दिशा नहीं सोच *
चेतराज गहलोत
(विधायक प्रत्याशी- डग विधानसभा (197))

संक्षिप्त समाचार

पूर्व राज्य मंत्री धीरज जी गुर्जर के जन्मदिन पर



चमकता राजस्थान/महेश कुमार बिड़ला मीडिया प्रभारी मांडल भीलवाड़ा। गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मनोकामना लेकर मांडल नीलकंठ महादेव मंदिर में पूजा अर्चना अभिषेक किया गया। प्रतिनिधि तोर पर एडवोकेट राजेश चौधरी द्वारा अभिषेक किया। आशुतोष जोशी, मुकेश जोशी, पूर्व सरपंच नारायण बिड़ला , प्रेम सेन , सांवर माली , नरेश सुथार व एनएसयूआई जिलाध्यक्ष उपस्थित रहे

राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से राहत, सावरकर के खिलाफ आपत्तिजनक भाषण के खिलाफ शिकायतें खारिज

नईदिल्ली/एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर के खिलाफ आपत्तिजनक भाषण के मामले में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को राहत दी है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति शील नागू की पीठ ने सावरकर के विरुद्ध की गई कुछ टिप्पणियों को लेकर दायर आपराधिक शिकायत और समन को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा, उत्तर प्रदेश राज्य द्वारा दायर हलफनामे में स्वीकृति दिए जाने का कोई उल्लेख नहीं है। ऐसी स्थिति में मजिस्ट्रेट द्वारा पारित आदेश रद्द किए जाते हैं। अधिवक्ता नृपेंद्र पांडे ने राहुल गांधी द्वारा 17 नवंबर, 2022 को निकाली गई भारत जोड़ो यात्रा के दौरान की गई टिप्पणियों पर आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने सावरकर को अंग्रेजों का सहयोगी और पेंशन लेने वाला बताया था। पांडे ने दावा किया कि ये टिप्पणियां समाज में नफरत भड×काने के इरादे से की गई थीं। उनकी शिकायत पर राहुल के खिलाफ आईपीसी की धारा 153ए (शत्रुता को बढ़ावा देना) और 505 (सार्वजनिक उपद्रव) के तहत आरोप लगाए गए थे।

किशनगढ में सामान्य सभापति पद की कुर्सी की खनक से दावेदारों में हलचल

चमकता राजस्थान

भाजपा-कांग्रेस दोनों दलों के मुंगेरीलाल देखने लगे सपने



- **साथी पत्रकार राजकुमार शर्मा के राजनीतिक विश्लेषण के तहत**

कांग्रेस इस बार वार्ड चुनाव में अपेक्षाकृत युवा चेहरों को मैदान में उतारने की रणनीति पर आगे बढ़ती नजर आ रही है। पार्टी के भीतर यह चर्चा है कि लंबे समय से सक्रिय युवाओं को मौका देकर संगठन में नई ऊर्जा लाई जाए। युवा उम्मीदवारों के माध्यम से पार्टी आमजन से सीधे जुड़ाव और नए राजनीतिक संदेश को आगे बढ़ाने का प्रयास कर सकती है।

- **भाजपा के सामने अनुभव को प्राथमिकता देने की रणनीति**

वहीं भाजपा में अनुभवी और संगठन से जुड़े चेहरों पर दांव लगाने की चर्चा है। पार्टी का फोकस बूथ स्तर की मजबूती, पुराने कार्यकर्ताओं के अनुभव और चुनावी प्रबंधन पर दिखाई दे रहा है। ऐसे में टिकट वितरण में संगठन के प्रति निष्ठा और चुनावी अनुभव अहम कसौटी बन सकते हैं।

अनिल लढ़ा/मदनगंज-किशनगढ़। चुनाव की डुगडुगी भले ही चुनाव आयोग की आचार संहिता से बजेगा लेकिन ज्यो ही आज सभापति पद सामान्य खाते में गया अनेक मुंगेरीलाल आज से ही सपने सजाने लग गए है ।

सभापति पद के लिए सामान्य वर्ग का आरक्षण तय होने के साथ ही भाजपा और कांग्रेस दोनों खेमों में संभावित दावेदारों की सक्रियता बढ़ गई है। किशनगढ में चांदी की खनक वाली सभापति की सीट सामान्य आते ही सभापति की कुर्सी तक पहुंचने के लिए राजनीतिक समीकरण का जोड़ तोड़ शुरू हो गया। नगर परिषद में सामान्य सभापति की लॉटरी आने के बाद भाजपा व कॉग्रेस के साथ अन्य राजनीतिक दलों में कई नामों को लेकर चर्चाएं तेज हैं। अब चर्चाएं वार्ड आरक्षण की है उसके बाद ही वैसे असली तस्वीर सामने आएगी ।

लेकिन सभापति दावेदार वार्ड प्रक्रिया के बाद ही सक्रिय होकर जाजम जमाएंगे लेकिन आज से ही अपने अपने राजनीतिक आकाओं के देवरे धोकने शुरू हो गए। लेकिन इस बार इतना तय है की भाजपा का गढ़ माने जाने वाले किशनगढ में कॉग्रेस कड़ी टक्कर देगी। इस बार फिर दो चौधरी विधायक विकास चौधरी , व सांसद व मंत्री भागीरथ चौधरी आमने सामने होंगे व उनकी प्रतिष्ठा दांव पर रहेगी।

इस बार भी पार्षद ही सभापति का चुनाव करेंगे इसलिए अंतिम फैसला पार्टी नेतृत्व और चुनाव परिणाम के बाद ही होगा । लेकिन फिलहाल सभापति पद सामान्य आते ही अनेक नेताओ की उमीदें बढ़ गई है।

विगत कार्यकाल की दुर्दशा के चलते कांग्रेस व भाजपा दोनों ही नए चेहरे पर दांव खेलना पसंद करेंगी।

जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी का पैदल मार्च



चमकता राजस्थान

जयपुर। जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी* के तत्वावधान में हल्द्वानी की घटना और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अपमान के विरोध में आयोजित मार्च राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से गांधी सर्किल तक निकला, जिसमें कांग्रेसजनों ने भाग लिया।

जयपुर शहर जिला कांग्रेस के इस विरोध मार्च में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, जयपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा, पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, शकुंतला रावत, सांसद भजनलाल जाटव, पूर्व अध्यक्ष आर.आर. तिवारी, पूर्व विधायक श्रीमती गंगा देवी, पूर्व प्रत्याशी डॉ. अर्चना शर्मा तथा पुष्पेंद्र भारद्वाज सहित अनेक वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि भाजपा और आरएसएस की जातिवादी राजनीति की यह पराकाष्ठा है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जैसे दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण स्थल का शुद्धिकरण किया जाता है। इससे अधिक इस देश और लोकतंत्र का अपमान और क्या हो सकता है?

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि ये वही लोग हैं जिन्होंने पहले मेरे साथ भी ऐसा ही घृणित कृत्य किया था। अब वही घृणा इस देश के सबसे अनुभवी राजनीतिज्ञ के साथ दोहराई जा रही है। यह स्पष्ट प्रमाण है कि इनका देश की विधि व्यवस्था और संविधान पर कोई विश्वास नहीं है।

जयपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी खड़गे साहब के इस अपमान को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। भाजपा के पास अब केवल दो ही विकल्प बचे हैं–या तो वह सार्वजनिक रूप से माफी मांगे, अन्यथा जनता उसे सत्ता छोड़ने को बाध्य कर देगी।

कांग्रेस पार्टी जातिवादी सोच और लोकतंत्र के अपमान के खिलाफ अपना संघर्ष जारी रखेगी।

कामां पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में 6 आरोपी पकड़े



चमकता राजस्थान/राकिब खांन/डीग। पुलिस अधीक्षक डीग शरण गोपीनाथ के द्वारा जिले में साइबर ठगों के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान ''ऑपरेशन एण्टीवायरस'' के तहत डीग पुलिस के थाना कामां द्वारा कार्यवाही करते हुए कुल 06 साईबर ठगों को गिरफ्तार कर कब्जे से 06 मोबाइल फोन को जब्त किया गया है- पुलिस थाना कामां द्वारा साइबर ठगी करते हुये 6 मुलजिमानो को किया गिरफतार कब्जे से कुल 06 एण्ड्रोइड मोबाइल फोन किये जब्त

गिरफतार साईबर ठग- 1. सद्दाम पुत्र इशाक जाति मेव उम्र 28 साल निवासी ढाणा थाना कामां जिला डीग,. 2.शाबिर पुत्र इशाक जाति मेव उम्र 24 साल निवासी ढाणा थाना कामां जिला डीग, 3. तालिम पुत्र इशाक जाति मेव उम्र 22 साल निवासी ढाणा थाना कामां जिला डीग, 4. आलिम पुत्र इशाक जाति मेव उम्र 20 साल निवासी ढाणा थाना कामां जिला डीग,5. मुस्तफा पुत्र नसरु जाति मेव उम्र 20 साल निवासी बगीची थाना कामां जिला डीग,

6. आदिल पुत्र यासिन जाति मेव उम्र 22 साल निवासी नीमका थाना बिछोर जिला नूंह (हरियाणा)

कार्यालय ग्राम पंचायत खंडेवला, पंचायत समिति पहाड़ी, जिला डीग

क्रमांकः एमाप्रएम/_____ दिनांकः 15.08.2025

—:: अपील ::—

- स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण में हर घर शौचालय निर्माण हेतु 12000 रुपये प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने हेतु संबंधित ग्राम पंचायत में आवेदन कर सकते हैं।
- प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत स्वीकृत आवास के लाभार्थी समयबद्ध आवास पूर्ण कर प्रोत्साहन राशि प्राप्त करें।
- वृक्षारोपण / विशेष फोरस्टेशन के नवीन पेंशन हेतु आवेदन करें एवं स्वीकृत पेंशनर वार्षिक सत्यापन करवायें।
- प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत आवेदन ई मित्र पर आवेदन करें।
- महात्मा गांधी नरेगा योजना में प्रत्येक गुरुवार को आयोजित रोजगार दिवस में प्रातः 6 से आवेदन कर 100 दिनों का रोजगार प्राप्त करें।
- जन - सुनवाई शिविर शनिवार अवश्य करवायें।
- जनआधार की E-KYC अवश्य करवायें।
- ई - मित्र कार्ड, आयुष्मान कार्ड हेतु पात्र परिवार आवेदन कर नियमानुसार लाभ प्राप्त करें।

भारत सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ उठायें

प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण)	प्रधानमंत्री आवास (शहरीय)
प्रधानमंत्री जनधन योजना	प्रधानमंत्री किसान सम्मान
स्वामित्व योजना	प्रधानमंत्री विश्वकर्मा
दीनदयाल अन्त्योदय NRLM	प्रधानमंत्री विश्वकर्मा
जल जीवन मिशन	प्रधानमंत्री पोषण योजना
जन धन योजना	पीएम उज्वला
नेनो फर्टिलाईजर्स	सुरक्षा बीमा योजना
स्वच्छ भारत मिशन	किसान क्रेडिट कार्ड
प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न	अटल पेंशन योजना
जीवन ज्योति योजना	आयुष्मान भारत पीएम-जेवाय

ग्राम पंचायतों में होने वाली आम सभाओं में विकास एवं क्षेत्र की आम समस्याओं पर खुल कर बोलें और हल खोजें। अपना अधिकार समझें और उसका अधिकतम लाभ उठायें।

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण एवं अवैध खुदाई अतिक्रमण एक जुर्म हैं। विकास कार्यों में बाधा डालने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

मेरी पंचायत मेरी पहचान बनायें

ग्राम पंचायतों में भारत एवं राजस्थान सरकार द्वारा संचालित फलेगशिव योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठायें एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजनान्तर्गत पात्र परिवार टाकिटल (टैंयलेट) शौचालय निर्माण पश्वात प्रोत्साहन राशि का लाभ उठायें एवं अपने आम-पास सफाई एवं स्वच्छता बनाने रखें एवं अपने गांव में सार्वजनिक स्थालों एवं सामुदायिक परिसरों की स्वच्छता बनाये रखें।

सरपंची एवं समस्त ग्रामवासी — सम्पदित ग्राम विकास अधिकारी

कार्यालय ग्राम पंचायत पथराली, पंचायत समिति पहाड़ी, जिला डीग

क्रमांकः एमाप्रएम/_____ दिनांकः 15.08.2025

—:: अपील ::—

- स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण में हर घर शौचालय निर्माण हेतु 12000 रुपये प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने हेतु संबंधित ग्राम पंचायत में आवेदन कर सकते हैं।
- प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत स्वीकृत आवास के लाभार्थी समयबद्ध आवास पूर्ण कर प्रोत्साहन राशि प्राप्त करें।
- वृक्षारोपण / विशेष फोरटेशन के नवीन पेंशन हेतु आवेदन करें एवं स्वीकृत पेंशनर वार्षिक सत्यापन करवायें।
- प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत आवेदन ई मित्र पर आवेदन करें।
- महात्मा गाँधी नरेगा योजना में प्रत्येक गुरुवार को आयोजित रोजगार दिवस में प्रातः 6 से आवेदन कर 100 दिनों का रोजगार प्राप्त करें।
- जन - सुनवाई शिविर शनिवार अवश्य करवायें।
- जनआधार की E-KYC अवश्य करवायें।
- ई - मित्र कार्ड, आयुष्मान कार्ड हेतु पात्र परिवार आवेदन कर नियमानुसार लाभ प्राप्त करें।

भारत सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ उठायें

प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण)	प्रधानमंत्री आवास (शहरीय)
प्रधानमंत्री जनधन योजना	प्रधानमंत्री किसान सम्मान
स्वामित्व योजना	प्रधानमंत्री विश्वकर्मा
दीनदयाल अन्त्योदय NRLM	प्रधानमंत्री विश्वकर्मा
जल जीवन मिशन	प्रधानमंत्री पोषण योजना
जन धन योजना	पीएम उज्वला
नेनो फर्टिलाईजर्स	सुरक्षा बीमा योजना
स्वच्छ भारत मिशन	किसान क्रेडिट कार्ड
प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न	अटल पेंशन योजना
जीवन ज्योति योजना	आयुष्मान भारत पीएम-जेवाय

ग्राम पंचायतों में होने वाली आम सभाओं में विकास एवं क्षेत्र की आम समस्याओं पर खुल कर बोलें और हल खोजें। अपना अधिकार समझें और उसका अधिकतम लाभ उठायें।

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण एवं अवैध खुदाई अतिक्रमण एक जुर्म हैं। विकास कार्यों में बाधा डालने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

मेरी पंचायत मेरी पहचान बनायें

ग्राम पंचायतों में भारत एवं राजस्थान सरकार द्वारा संचालित फलेगशित योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठायें एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजनान्तर्गत पात्र परिवार टाकिटल (टैंयलेट) शौचालय निर्माण पश्वात प्रोत्साहन राशि का लाभ उठायें एवं अपने आम-पास सफाई एवं स्वच्छता बनाने रखें एवं अपने गांव में सार्वजनिक स्थालों एवं सामुदायिक परिसरों की स्वच्छता बनाये रखें।

सरपंची एवं समस्त ग्रामवासी — सम्पदित ग्राम विकास अधिकारी



क्या 1947 में मिली थी भारत को आज़ादी? क्या 15 अगस्त है स्वतंत्रता दिवस?

भारत की आज़ादी के इतिहास के पन्ने कहते हैं भारत को उपनिवेश दर्जे पर ऐतराज़ सिर्फ ब्रिटिश संसद में ही नहीं हुआ था, बल्कि कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड और दक्षिण अफ्रीका जैसे उपनिवेशों के नेताओं ने भी ऐतराज़ जताया था क्योंकि वो नहीं चाहते थे कि अश्वेत भारत को श्वेतों के साथ बराबरी का दर्जा मिले.

भारत को आज़ादी 15 अगस्त 1947 को मिली थी. प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आधी रात को आज़ादी का यादगार भाषण लाल किले से दिया था. लेकिन न तो यह सवाल उठता है और न ही आम तौर से सोचा जाता है कि जब भारत आज़ाद हो गया था, तो एक अंग्रेज़ यानी लुइस माउंटबैटन भारत का गवर्नर जनरल क्यों था?



क्या सच में इस तारीख को भारत आज़ाद हो गया था? कहा तो जा सकता है, लेकिन तकनीकी रूप से यह मानना गलत ही है. 15 अगस्त 1947 वो तारीख थी, जब भारत को ब्रिटेन के स्वतंत्र उपनिवेश का दर्जा मिला था, जिसे भारतीय संघ या भारतीय उपनिवेश कहा गया. क्यों ऐसे में भारत को आज़ाद नहीं माना जा सकता था? उपनिवेश होने से क्या फायदा हुआ और क्या मुश्किलें खड़ी हुईं?

वास्तव में, भारतीय स्वाधीनता एक्ट 1947 के तहत ये प्रावधान हुए थे और भारत का संविधान बनाए जाने की राह खुली थी. जब तक संविधान नहीं बना, तब तक भारत ब्रिटिश कॉमनवेल्थ देशों में एक उपनिवेश के तौर पर शामिल रहा. 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान बनने से ही सही मायनों में भारत को आज़ाद देश के तौर पर पहचान मिली. इतिहास और कायदों के मुताबिक इस किस्से को समझना दिलचस्प है.

क्या होता है उपनिवेश?

आसान शब्दों में उपनिवेश एक स्वाधीन समुदाय तो होता है, लेकिन आखिरकार उसके सिर पर एक राजा या ताज का साया बना रहता है. भारत के मामले में ताज के प्रतिनिधि के तौर पर गवर्नर जनरल की हैसियत से माउंटबैटन रहे थे. ब्रिटिश राज में परंपरागत रूप से रहा वायसराय का पद और दफ्तर 15 अगस्त 47 से खत्म हो गया था. 47 से 50 तक नेहरू ही प्रधानमंत्री रहे, लेकिन उपनिवेश के. उपनिवेश के अर्थ के तौर पर बगैर चुने हुए लोगों ने प्रशासन संभाला और ब्रिटिश राजा के नाम पर शपथ ग्रहण की थी. उपनिवेश के दौरान भारतीय आर्मी का प्रमुख ब्रिटिश फील्ड मार्शल रहा और हाई कोर्ट व संघीय कोर्ट के जजों की नियुक्ति ब्रिटिशों के हाथ में रही. संविधान लागू होते ही भारत को एक संप्रभुता वाले लोकतांत्रिक गणराज्य का दर्जा मिला और वह ब्रिटिश राजशाही से पूरी तरह मुक्त हुआ. लेकिन इस दौरान ये उपनिवेश कई मायनों में अहम रहा.



कैसे हुआ था उपनिवेश पर विचार?

भारत को आज़ाद किस तरह से किया जाए, इसे लेकर उपनिवेश के विचार पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और ब्रिटिश सरकार कई बार उलझती रही और दोनों अपने मत कई बार बदलते रहे. भारत के उपनिवेश बनाए जाने पर बहस पहले विश्व युद्ध के समय से ही शुरू हो गई थी और 1927 में कांग्रेस के मद्रास अधिवेशन में साइमन कमीशन के विरोध के चलते तय हुआ था कि भारत का अपना संविधान बनाने के लिए एक समिति बनेगी.हालांकि कांग्रेस के साथ ही 1928 में सर्वदलीय सम्मेलन में इस बात पर रज़ामंदी बनी कि भारत का लक्ष्य आज़ादी है, लेकिन उपनिवेश को लेकर कोई आम सहमति नहीं बन सकी. पहले मोतीलाल नेहरू ने उपनिवेश को आज़ादी का दूसरा नाम कहकर इसे अपनाने की बात कही, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष बनते ही जवाहरलाल नेहरू ने इसका विरोध करते हुए कहा कि जब तक सेना और अर्थव्यवस्था हाथ में नहीं आती, भारत पूरी तरह आज़ाद नहीं कहलाएगा.

कैसे बनी उपनिवेश पर सहमति

कई बार सहमति असहमतियों के रास्ते से होकर जब भारत स्वतंत्रता के द्वार के पास खड़ा हुआ था, तब कांग्रेस ने उपनिवेश के दर्जे पर सहमति दी. इसका कारण बताते हुए वैधानिक इतिहासकार रोहित डे ने अपने शोधपत्र में लिखा कि इस दर्जे से भारत को अपने संविधान निर्माण और गणतांत्रिक रचना के लिए समय मिल रहा था. साथ ही, भारत को कई शाही रियासतों को जोड़कर एक भारत बनाने के लिए भी वक्त मिलता. दूसरी तरफ, दूसरे वर्ल्ड वॉर के बाद ब्रिटिश भी हिल चुके थे. 1946 में नेवी और वायु सेना में विद्रोह हो रहा था, पूरे भारत में जगह जगह सांप्रदायिक दंगे व तनाव के हालात बन रहे थे. ऐसे में, ब्रिटिशों का आत्मविश्वास कमज़ोर था. पश्चिमी शक्तियों के विरोध के बावजूद यूके के प्रधानमंत्री क्लमेंट एटली को 30 जून 1948 को भारत को पूर्ण स्वराज का दर्जा देना पड़ा और 21 जून 1948 को माउंटबैटन की जगह चक्रवर्ती राजगोपालाचारी को गवर्नर जनरल बनाया गया.

उपनिवेश से क्या कोई फायदा हुआ?

राजगोपालाचारी के गवर्नर जनरल बनने के बाद भी माउंटबैटन संविधान निर्माण प्रक्रिया की निगरानी करते रहे थे. करीब ढाई साल के उपनिवेश समय में भारत को फायदा यही हुआ कि एक मज़बूत राष्ट्र बनाने में मदद मिली. इंडियन एक्सप्रेस के लिए एक लेख में कॉलमिस्ट मेघनाद देसाई ने भी माना था ब्रिटिशों की इस परंपरा से भारत को मदद ही मिली. अस्ल में एक मज़बूत गणतंत्र और देश बनाने के लिए काफी शक्तियों की ज़रूरत थी और उपनिवेश व्यवस्था ने भारतीय नेताओं को वो शक्तियां मुहैया करवाईं. हालांकि इसमें कानूनी अधिकार क्षेत्रों से ज्यादा भी ताकत का इस्तेमाल हुआ, लेकिन उसकी आलोचना भी होती रही. एक्सप्रेस की ही रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस ने कुछ मौकों पर उन्हीं ब्रिटिश दमनकारी नीतियों व कानूनों का इस्तेमाल भी किया, जिसका कभी विरोध किया जाता था. ये आज़ादी झूठी है, कम्युनिस्ट पार्टी ने उस वक्त कांग्रेस के रवैये पर यह आलोचना की थी. फिर भी, एक राष्ट्र बनाने में शाही रियासतों के एकीकरण में कांग्रेस नेताओं ने जिस तरह की ताकतों का इस्तेमाल किया, वह उपनिवेश व्यवस्था का सबसे बड़ा योगदान रहा. दूसरी तरफ, पाकिस्तान 1956 तक उपनिवेश के तौर पर रहा.





15 अगस्त को ही क्यों मनाया जाता है आजादी दिवस

साल 1947 में देश को आजादी मिलने के बाद हर साल 15 अगस्त को पूरे हिंदुस्तान में हर्षो उल्लास के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। इस साल भारत अपना 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। स्वतंत्रता दिवस हिंदुस्तान के लिए एक ऐसा दिन होता है, जब हर भारतीय उन जांबाज शहीदों और हस्तियों को याद करता है, जिन्हें आजादी दिलवाने में अपनी जान तक कुर्बान कर दी थीं। लेकिन अगर आपसे यह पूछा जाए कि 15 अगस्त को ही पूरे देश में आजादी दिवस के रूप में क्यों मनाया जाता है तो फिर आपका जवाब क्या होगा? इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि आखिर 15 अगस्त को ही भारत में आजादी दिवस के रूप में क्यों मनाया जाता है।

15 अगस्त क्यों मनाया जाता है?

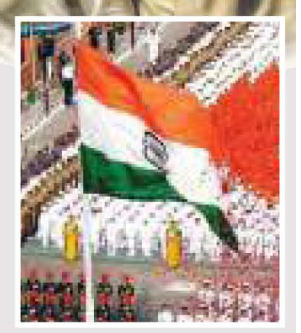
हम सभी लोग जानते हैं कि पूरे देश में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है, लेकिन बहुत कम लोग ही जानते हैं कि आखिर 15 अगस्त को ऐसा क्या हुआ था कि इस दिन खुशी हर तरफ खुशी का माहौल रहता है। दरअसल, 15 अगस्त 1947 को तत्कालीन ब्रिटिश हुकूमत से हिंदुस्तान को आजादी मिली थी। आजादी मिलने के बाद एक तारीख निर्धारित किया गया, जिस दिन पूरा देश स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाएगा। ऐसे में 15 अगस्त को भारत के लिए स्वतंत्रता दिवस के लिए चूना गया।

साल 1948 में मिलने वाली आजादी 1947 में ही कैसे मिली?

कहा जाता है कि अंतिम वॉयसरॉय लॉर्ड माउंटबेटन ने भारत की आजादी के लिए साल 1948 तय किया था, लेकिन कई वर्षों और महीनों के संघर्ष, कठिनाई और हर दिन खराब हो रहे परिस्थितियों को देखते हुए लॉर्ड माउंटबेटन को विवश होना पड़ा और भारत की स्वतंत्रता का दिन 1948 से 1947 करना पड़ा। ऐसे में लॉर्ड माउंटबेटन ने 15 अगस्त को आजादी का दिन चूना।

15 अगस्त को ही आजादी दिवस क्यों चुना गया?

यह कहा जाता है कि भारत को 18 जुलाई 1947 को ही आजादी मिल गई थी, लेकिन फिर भी 15 अगस्त का दिन इसके लिए चूना गया। इसके पीछे की कहानी के बारे में कहा जाता है कि तत्कालीन और अंतिम वॉयसरॉय लॉर्ड माउंटबेटन ने जापान के द्वितीय विश्व युद्ध में समर्पण की दूसरी सालगिरह को भारत की आज़ादी का दिन चुना, क्योंकि वो इस दिन को अपने लिए शुभ मनाता था। ऐसे में 15 अगस्त को भारत के लिए आजादी दिवस के रूप में चूना गया।



15 अगस्त 1947 का दिन क्यों खास था?

15 अगस्त 1947 हिंदुस्तान अपना पहला आजादी दिवस मना रहा था और उस दिन शुक्रवार था। कहा जाता है कि लॉर्ड माउंटबेटन के अलावा देश के कई महान ज्योतिषियों ने भी ग्रह नक्षत्रों के लिहाज से 15 अगस्त 1947 को आजादी के लिए शुभ दी माना था।

क्या पहले 26 जनवरी को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता था?

कहा जाता है कि 1930 से लेकर 1946 तक 26 जनवरी को ही स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। हालांकि, यह कहा जाता है कि 26 जनवरी को ही स्वतंत्रता कांग्रेस द्वारा मनाया जाता था। इसके बाद 1947 में बदलकर 15 अगस्त कर किया गया और संविधान बनने के बाद 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस और 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां जोरों पर, तैयार हो रहा विशेष मंच

देश की राजधानी दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां जोरों पर हैं। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर लाल किले की सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले पर झंडारोहण के लिए विशेष मंच तैयार किया जा रहा है। इस मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को संबोधित करेंगे और राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। तैयारियों के तहत लाल किले को सजाया जा रहा है और सुरक्षा व्यवस्था सख्त की गई है। स्वतंत्रता दिवस पर देशभर से लोग लाल किले पहुंचेंगे और झंडारोहण समारोह में भाग लेंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी

स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए व्यापक तैयारियां की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं, लाल किले के आस-पास सुरक्षा घेरा मजबूत किया जा रहा है। इसके अलावा लाल किले को रोशनी से सजाया जा रहा है और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी की जा रही है। देशभर से लोग स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले पहुंचेंगे। 15 अगस्त 1947 को भारत को ब्रिटिश हुकूमत से आजादी मिलने के बाद हर साल 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस ऐतिहासिक दिन को मनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस दिन स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया जाता है और आजादी का जश्न मनाया जाता है। स्वतंत्रता दिवस के दिन देशभर में झंडारोहण, परेड, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

दिल्ली में आतंकी हमले की आशंका

वहीं, दिल्ली में 15 अगस्त के मौके पर आतंकी हमले की आशंका जताई गई है। इसे लेकर दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने आदेश जारी किया है। दिल्ली में पैराग्लाइडर्स, पैरा मोटर्स, हैंग ग्लेडर्स, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट, हॉट एयर बैलून, पैरा जंपिंग और ड्रोन पर प्रतिबंध लगाया गया है। ये प्रतिबंध 2 अगस्त से लेकर 16 अगस्त तक के लिए लगाया गया है। खतरे को देखते हुए आदेश जारी करने से पहले दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने पुलिस अधिकारियों की बैठक कर तैयारियों का जायजा भी लिया था।

स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के बीच का अंतर जानते हैं?

26 जनवरी का दिन हमारे संविधान बनने के जश्न के रूप में देखा जाता है। लेकिन इससे इतर, कई लोगों के मन में 15 अगस्त और स्वतंत्रता दिवस के बीच के अंतर को समझना कठिन हो जाता है। लोगों का सवाल होता है कि आखिर देश की ये दो ऐतिहासिक तारीखें एक दूसरे से कितनी अलग हैं। तो चलिए आपका ये डाउट भी क्लियर कर देते हैं। पहले दोनों में बेसिक अंतर समझिए स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस भारत के दो महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व हैं। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाता है। इस दिन भारत ब्रिटिश शासन से स्वतंत्र हुआ था। स्वतंत्रता दिवस भारत की आजादी का प्रतीक है। इस दिन देश भर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है, और स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया जाता है। वहीं गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को मनाया जाता है। इस दिन भारत का संविधान लागू हुआ था। गणतंत्र दिवस भारत के लोकतंत्र का प्रतीक है। इस दिन देश भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें परेड, झांकियां, और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त को देश के प्रधानमंत्री देश को संबोधित करते हैं। वहीं 26 जनवरी को राष्ट्रपति देश को संबोधित करते हैं

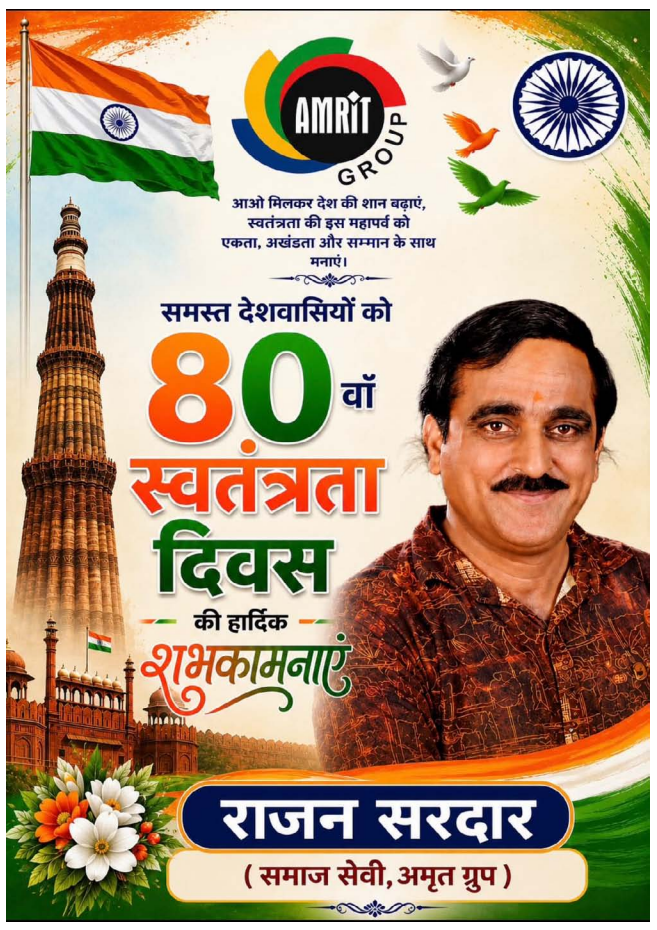
तिरंगे के ध्वजारोहण और आयोजन स्थल में अंतर

स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त को प्रधानमंत्री लाल किले से झंड फहराते हैं। वहीं इसके एक दिन पहले देश के राष्ट्रपति टीवी पर राष्ट्र के नाम संदेश देती हैं। गणतंत्र दिवस के दिन राष्ट्रपति झंडा फहराते हैं हालांकि दोनों दिन झंडा फहराने मे अंतर होता है। 15 अगस्त के दिन पीएम झंडे को नीचे से रस्सी खींचकर फहराते हैं। वहीं गणतंत्र दिवस के दिन तिरंगा ऊपर ही बंध होता है। इसे पूरा खोलकर फहराया जाता है। इस प्रक्रिया को फ्लैग अनफर्लिंग कहते हैं। गणतंत्र दिवस कार्यक्रम दिल्ली के कर्तव्यपथ पर आयोजित होता है। वहीं स्वतंत्रता दिवस लाल किले मे आयोजित होता है। गणतंत्र दिवस कार्यक्रम के दौरान भारत की सांस्कृतिक और सामाजिक विरासत झांकियों के माध्यम से देखने को मिलती है। 26 जनवरी का दिन देश के लोकतंत्र बनने के नाम पर भी याद किया जाता है

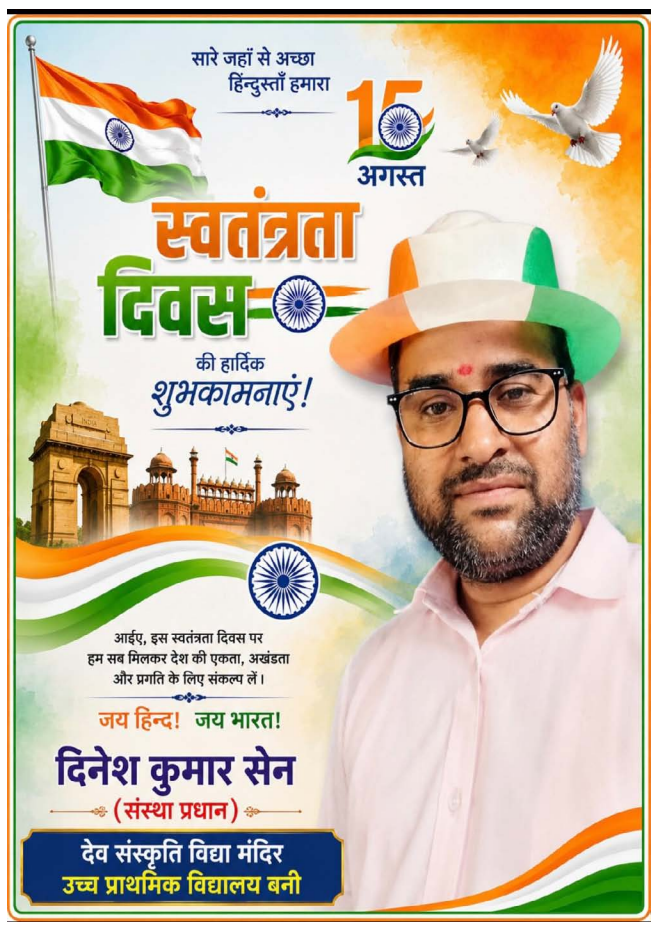



लक्ष्य उच्च प्राथमिक विद्यालय, करावन
15 अगस्त 2026, 80वां स्वतंत्रता दिवस की
विद्यालय परिवार की ओर से सभी छात्र-छात्राओं,
अभिभावकों एवं देशवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
स्वतंत्रता हमें अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी बोध कराती है। आइए, देश के विकास और उज्जवल भविष्य के लिए एकजुट होकर कार्य करें।
जय हिन्द! जय भारत!
लक्ष्य उच्च प्राथमिक विद्यालय
(करावन)
स्थान: लक्ष्मीनारायण मंदिर के पास बनी रोड करावन


अफसाना सुपर सेल की ओर से
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की प्रदेश वासियों को
80 वा
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं!
अफसाना सुपर सेल
हर घर की जरूरत
सिर्फ 100/-में


AMRIT GROUP
आओ मिलकर देश की शान बढ़ाएं,
स्वतंत्रता की इस महापर्व को
एकता, अखंडता और सम्मान के साथ
मनाएं।
समस्त देशवासियों को
80 वाँ
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
राजन सरदार
(समाज सेवी, अमृत ग्रुप)

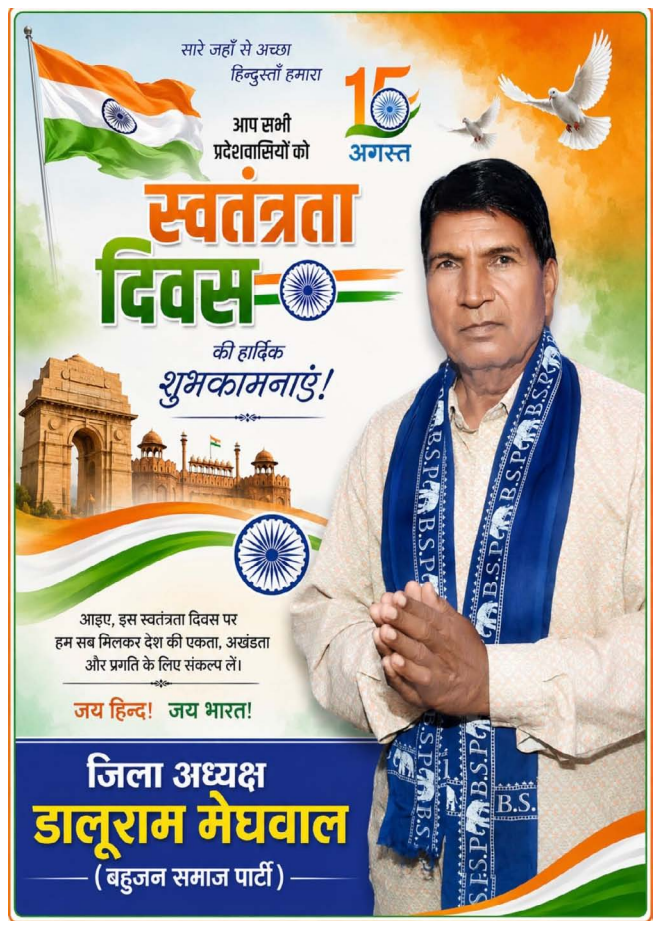

स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षाबंधन
की हार्दिक शुभकामनाएँ!
देश की आज़ादी का गौरव और भाई-बहन के अटूट प्रेम का यह पावन पर्व आपके जीवन में सुख, समृद्धि एवं खुशियाँ लेकर आए। जय हिंद! वंदे मातरम्!
जे एस जी संगनी भीलवाड़ा (स्पार्क ग्रुप)

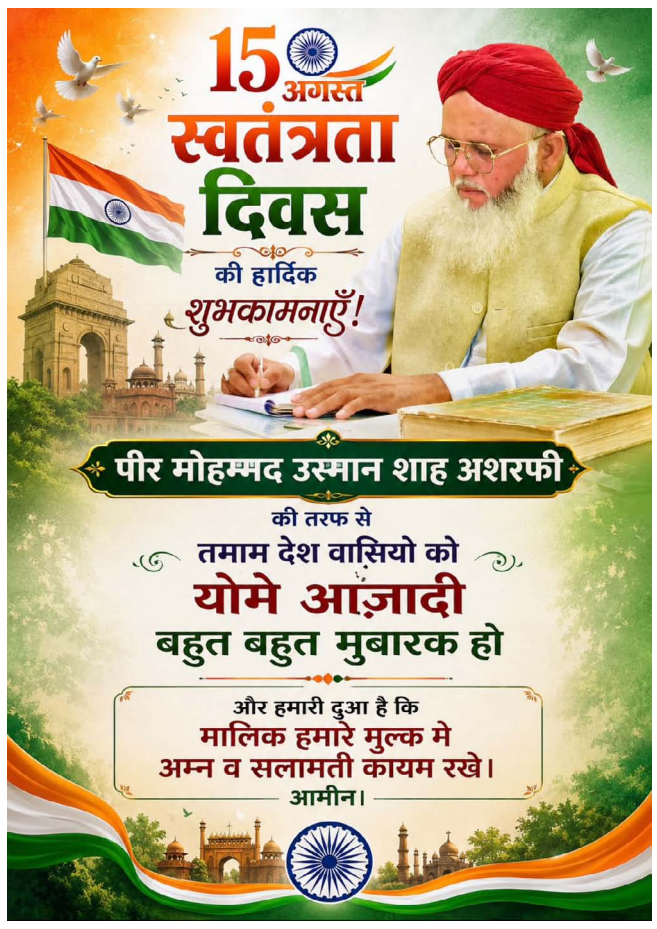

सारे जहां से अच्छा
हिंदुस्ताँ हमारा
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम सब मिलकर देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए संकल्प लें।
जय हिन्द! जय भारत!
दिनेश कुमार सेन
(संस्था प्रधान)
देव संस्कृति विद्या मंदिर
उच्च प्राथमिक विद्यालय बनी


समस्त देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
80 वां
स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं
नौक्षम चौधरी
(कामां विधायक)
समून खांन
(सरपंच प्रतिनिधि)
आइए, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए हम सभी मिलकर देश के विकास, एकता और प्रगति के लिए समर्पित रहने का संकल्प लें।
जय हिन्द! वन्दे मातरम्!
ग्राम पंचायत कार्यालय सतावाडी, तहसील पहाड़ी, जिला डीग


80 वें
स्वतंत्रता दिवस
पर देश-प्रदेश एवं दौसावासियों को
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
चंद्रकांता शर्मा (हरितवाल)
पूर्व पार्षद,
नगर अध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा, दौसा
भारतीय जनता पार्टी
दौसा
प्रेम कुमार हरितवाल
जिला मीडिया प्रभारी
भाजपा, दौसा


स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
80 वर्ष गर्व और विश्वास के...
सार्वजनिक अपील
स्वच्छता रखें, कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें।
पानी की बचत करें, जल को व्यर्थ न बहाएं।
सार्वजनिक रास्तों एवं सरकारी भूमि पर अतिक्रमण न करें।
सड़क एवं चौराहों पर वाहन खड़ा कर यातायात बाधित न करें।
खुले में शौच न करें, शौचालय का उपयोग करें।
पेड़ लगाएं और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें।
ग्राम पंचायत के विकास कार्यों में सहयोग करें।
गांव को स्वच्छ, सुंदर एवं विकसित बनाने में अपना योगदान दें।
नवनीत चौपड़ा
सरपंच
घमंडाराम बेनीवाल
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बायतु भोपजी, पंचायत समिति बायतु


सारे जहाँ से अच्छा
हिन्दुस्ताँ हमारा
आप सभी
प्रदेशवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम सब मिलकर देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए संकल्प लें।
जय हिन्द! जय भारत!
जिला अध्यक्ष
डालूराम मेघवाल
(बहुजन समाज पार्टी)

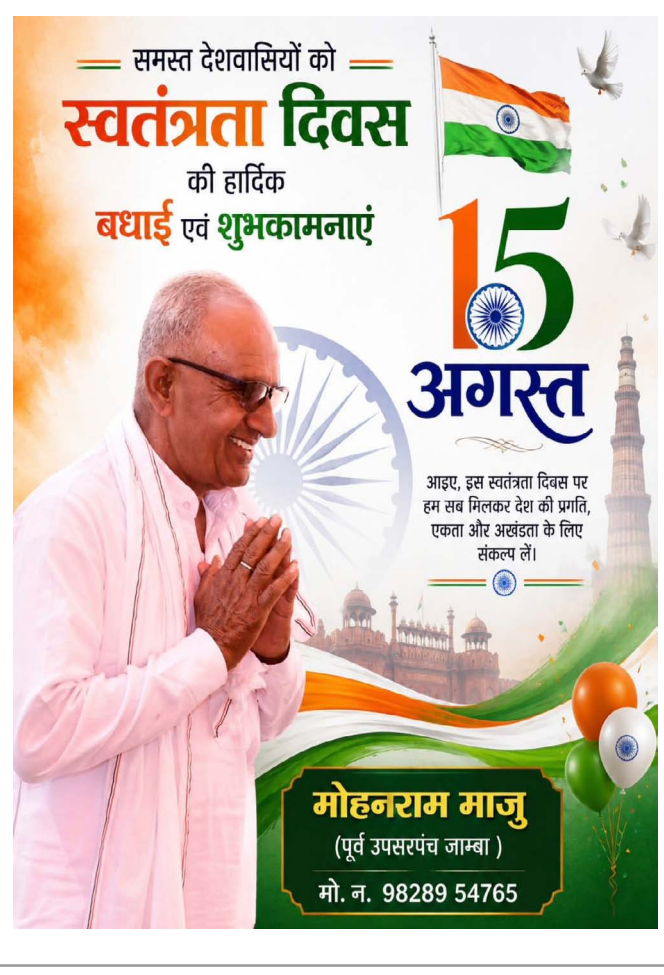

15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएँ!
पीर मोहम्मद उस्मान शाह अशरफी
की तरफ से
तमाम देश वासियो को
योमे आज़ादी
बहुत बहुत मुबारक हो
और हमारी दुआ है कि
मालिक हमारे मुल्क मे
अम्न व सलामती कायम रखे।
आमीन।

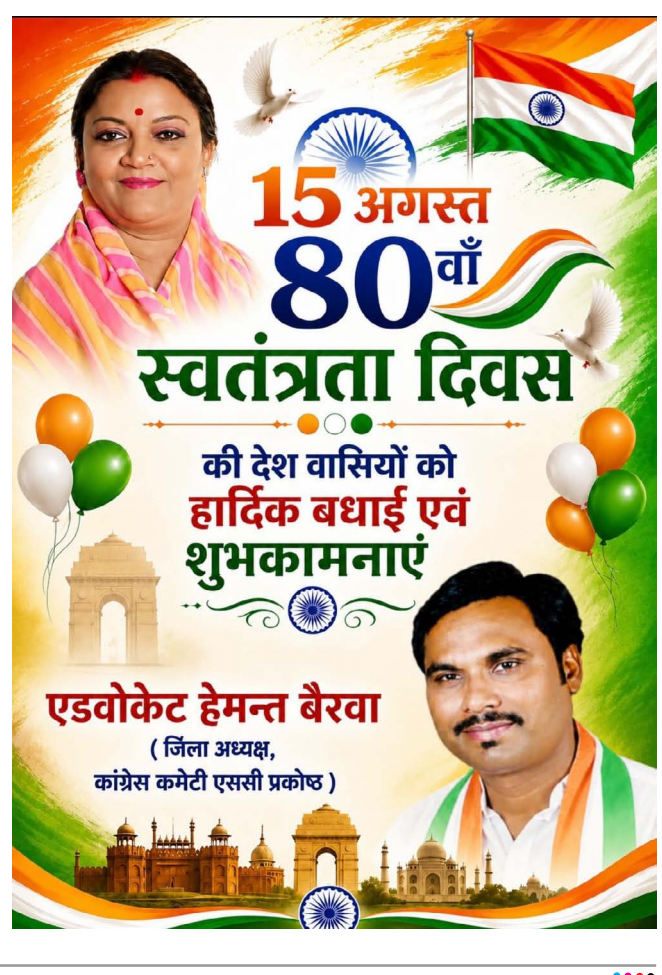

15 अगस्त
2026
80 वा
स्वतंत्रता दिवस
एवं
श्री कृष्ण जन्माष्टमी
की प्रदेश वासियों को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
विनोद जाखड़
(राष्ट्रीय अध्यक्ष एनएसयूआई)
गोपाल सिलोरिया
(चमकता राजस्थान ,रिपोर्टर ,
करावन -झालावाड़)
संपर्क सूत्र :- 9587452954, 6367188377

सारे जहाँ से अच्छा
हिन्दुस्ताँ हमारा
आप सभी
प्रदेशवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!
आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम सब मिलकर देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए संकल्प लें।
जय हिन्द! जय भारत!
जिला अध्यक्ष
डालूराम मेघवाल
(बहुजन समाज पार्टी)

15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएँ!
पीर मोहम्मद उस्मान शाह अशरफी
की तरफ से
तमाम देश वासियो को
योमे आज़ादी
बहुत बहुत मुबारक हो
और हमारी दुआ है कि
मालिक हमारे मुल्क मे
अम्न व सलामती कायम रखे।
आमीन।

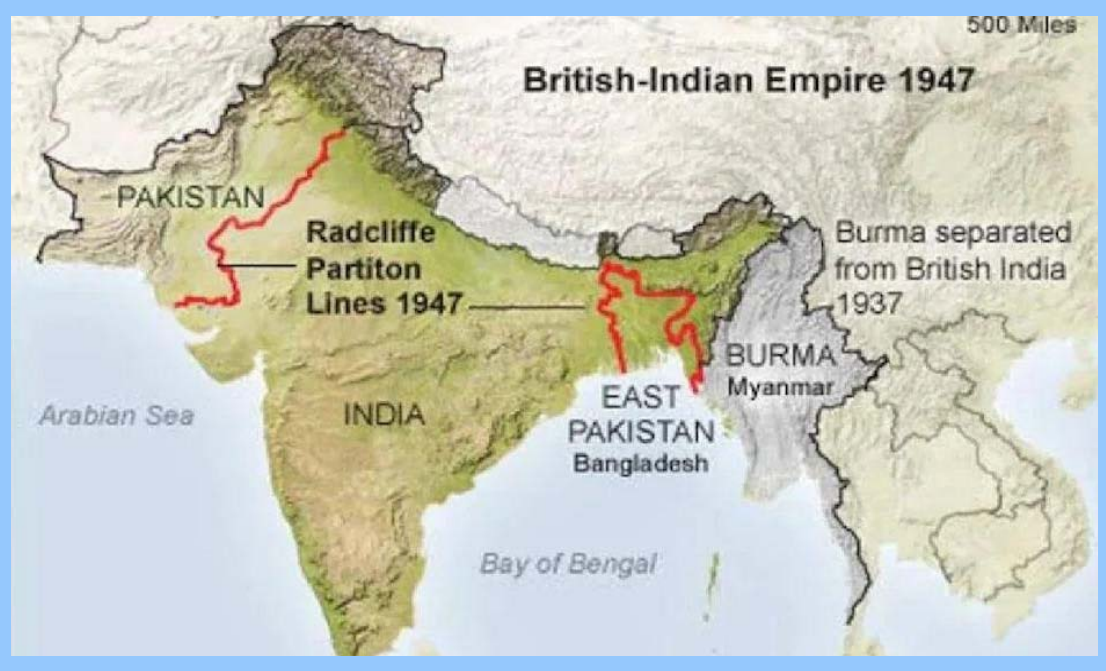

15 अगस्त
80 वा
स्वतंत्रता दिवस
एवं
श्री कृष्ण जन्माष्टमी
की प्रदेश वासियों को
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
शंभू सिंह परिहार
(ग्राम पंचायत करावन)


समस्त देशवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक
बधाई एवं शुभकामनाएं
15 अगस्त
आइए, इस स्वतंत्रता दिवस पर हम सब मिलकर देश की प्रगति, एकता और अखंडता के लिए संकल्प लें।
मोहनराम माजु
(पूर्व उपसरपंच जाम्बा)
मो. न. 98289 54765


15 अगस्त
80 वाँ
स्वतंत्रता दिवस
की देश वासियों को
हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
एडवोकेट हेमन्त बैरवा
(जिला अध्यक्ष,
कांग्रेस कमेटी एससी प्रकोष्ठ)

अंग्रेजों की एक गलती से आजादी के जश्न में हुई 3 दिन की देरी

भारत की इन जगहों पर 18 अगस्त को मनता है स्वतंत्रता दिवस





दिनेश पाठक

अंग्रेजों से भारत को आजाद कराने के लिए लंबा संघर्ष चला। बड़ी संख्या में जाने-माने और अनाम क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों की आहुति दी. इसके बाद भारत को अंग्रेजों की गुलामी से 15 अगस्त 1947 को निजात मिल पाई। तब से पूरे देश में हर साल 15 अगस्त को स्वाधीनता दिवस मनाया जाता है। हालांकि, पश्चिम बंगाल के नदिया और मालदा जिले में तीन दिन बाद 18 अगस्त को आजादी का जश्न मनाया जाता है। आइए जानते हैं इसकी वजह। दरअसल, पश्चिम बंगाल के नदिया और मालदा जिले 15 अगस्ता, 1947 को भारत का हिस्सा नहीं थे। 18 अगस्त को वो स्वतंत्र भारत में पूरी तरह से शामिल हुए. तब से यहां के लोग 18 अगस्त को ही स्वाधीनता दिवस मनाया जाता है।

ऐसे हुआ था आजादी का ऐलान

यह जुलाई 1945 की बात है। भारत पर शासन कर रहे ब्रिटेन में आम चुनाव हुए थे। इसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल की हार हुई और क्लेमेंट एटली प्रधानमंत्री बने। यहीं से भारत की आजादी के दरवाजे खुल गए। चर्चिल ने प्रधानमंत्री बनने के बाद फरवरी 1947 में ऐलान कर दिया कि 30 जून 1948 से पहले भारत को आजादी मिल जाएगी।क्लेमेंट एटली ने भारत की आजादी के लिए कानून बनाने का जिम्मा तत्कालीन भारतीय गवर्नर जनरल लॉर्ड लुई माउंटबेटन को सौंपा। उन्होंने तीन जून 1947 को भारत की आजादी का प्लान दिया, जिसे माउंटबेटन योजना के नाम से जाना जाता है। इसी योजना के तहत भारत को दो हिस्सों में बांट दिया गया। माउंटबेटन के प्लान के आधार पर पांच जुलाई 1947 को ब्रिटेन की संसद में भारतीय स्वाधीनता अधिनियम (इंडियन इंडिपेंडेंस एक्ट) पास हुआ और 18 जुलाई को ब्रिटेन के राजा जॉर्ज-श्कने भी इसे मंजूरी दे दी।

एक गलती के कारण 15 अगस्त को जश्न के बजाय विरोध प्रदर्शन हुआ

रेडक्लिफ ने भारत के विभाजन के लिए जो नक्शा बनाकर सीमांकन किया था, उसमें पश्चिम बंगाल के हिंदू बहुल जिलों मालदा और नदिया को पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) का हिस्सा बता दिया।तब नदिया के शिवानीबाश, शांतिपुर, बोनगांव, कल्याणी, रानाघाट, शिकारपुर, कृष्णानगर और करीमपुर जैसे कस्बों को पूर्वी पाकिस्तान का हिस्सा बता दिया था। ऐसे ही मालदा के रतुआ और दक्षिण दिनाजपुर के बालूरघाट गांव को भी भारत में शामिल नहीं किया गया था।15 अगस्त को देश आजाद हुआ तो इन इलाकों में जश्न के बजाय विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था।

आनन-फानन में माउंटबेटन ने दिया था दूसरा आदेश

बताया जाता है कि तब पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी और नदिया शाही परिवार के सदस्यों ने कलकत्ता (अब कोलकाता) में अंग्रेज प्रशासन तक यह बात पहुंचाई। इसके बाद लॉर्ड माउंटबेटन को इसकी जानकारी दी गई। आनन-फानन में माउंटबेटन ने बंगाल के भारत और पाकिस्तान के बीच विभाजन का फिर से आदेश दिया। इस आदेश के तहत हिंदू बहुल बंगाल के जिले को भारतीय क्षेत्र में लाया गया।वहीं, मुस्लिम बहुल जिलों को पूर्वी पाकिस्तान के हवाले कर दिया गया।यह सारी प्रक्रिया 17 अगस्त की रात में पूरी हुई थी। इसीलिए इन सीमावर्ती गांवों में 15 के बजाय 18 अगस्त को आजादी का जश्न मनाया जाता है, जिस दिन ये पूरी तरह से भारत का हिस्सा बने थे। हालांकि अब यहां के लोग 15 और 18 अगस्त दोनों ही दिन राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं।

रेडक्लिफ को दिया गया था नक्शा बनाने का जिम्मा

माउंटबेटन ने 12 अगस्त 1947 को घोषणा की कि 15 अगस्त 1947 को भारत को आजादी दी जाएगी। इसके लिए भारत और पाकिस्तान का बंटवारा किया गया और इसका जिम्मा अंग्रेज अफसर सिरिल रेडक्लिफ को दिया गया, जिसने दोनों देशों का नक्शा बनाया और सीमाएं निर्धारित कीं। यह नक्शा तैयार करने में सिरिल रेडक्लिफ ने चूक कर दी, जिससे आजादी के बावजूद बंगाल को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। दरअसल, रेडक्लिफ ने पहली बार में गलत नक्शा बना दिया था।





15 अगस्त को ही क्यों मनाया जाता है स्वतंत्रता दिवस?

हर साल 15 अगस्त को हम भारत की आजादी का पर्व गर्व के साथ मनाते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आजादी की तारीख 15 अगस्त ही क्यों चुनी गई? दरअसल, भारत को ब्रिटिश हुकूमत से आजादी पहले 30 जून 1948 को मिलने वाली थी, लेकिन परिस्थितियां कुछ इस तरह बदलीं कि तारीख 15 अगस्त 1947 घोषित कर दी गई। इस फैसले के पीछे केवल राजनीतिक कारण नहीं थे, बल्कि द्वितीय विश्व युद्ध, ब्रिटिश साम्राज्य की गिरती ताकत और लॉर्ड माउंटबेटन की रणनीति भी अहम भूमिका में थे।











स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929